हिन्दी - प्रतिष्ठा

PAPER - 1

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन पर विचार कीजिए।

1. गार्सां द तासी (इस्तवार दला लिटेरेट्यूर ऐन्दुई ए हिंदुस्तानी)
2. शिवसिंह सेंगर (सरोज) (शिवसिंह सरोज)
3. जर्ज ग्रियर्सन - (द मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिट्रेचर ऑफ हिन्दुस्तान)
4. मिश्रबन्धु (विनोद) - (मिश्रबन्धु विनोद)
5. रामचन्द्र शुक्ल - (हिन्दी साहित्य का इतिहास)
6. राम कुमार वर्मा - (हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक)
7. डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त - (हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास)
8. आचार्य हजारी प्र० द्विवेदी - (हिन्दी साहित्य की भूमिका, उद्भव विकास)
9. राहुल सांकृत्यायन - (हिन्दी काव्यधारा)
10. नगेन्द्र द्वारा सम्पादित (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

2. निर्गुण भक्ति काव्यधारा का स्वरूप तथा प्रवृत्तियों को लिखें? या विशेषता को लिखे?

1. निर्गुण भक्ति काव्य धारा का स्वरूप :-
2. संत का नाम एवं स्वरूप.
3. निर्गुण ब्रह्म (अरूप) की उपासना
4. बहुदेववाद तथा अवतारवाद का विरोध.
5. गुरु का महत्व :
6. जातिप्रथा का विरोध
7. मिथ्या आडम्बरों तथा रूढ़ियों का प्रबल (
8. निष्कर्ष | नारी निन्दा (माया) का विरोध
10. प्रेम का महत्व, रहस्यवादी भावना, ब्रह्म का (
12. मार्मिक उक्तिया, लोकसंग्रह की भावना।

3. सगुण भक्ति काव्यधारा के स्वरूप का विवेचन करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों तथा विशेषताओं को लि

i. सगुण भक्तिकाव्य धारा का स्वरूप :
ii. ईश्वर के सगुण रूप की प्रतिष्ठा :
iii. लीलावाद को महत्व
iv. रूपोपासना
v. गुरु का महत्व :

डॉ. बलराम कुमार
हिन्दी - विभाग
एल.के. डी. कॉलेज लालपुर
राम टीपुर

बलराम कुमार

Scanned with CamScanner

(vi) जाति भेद की अमान्यता ;
(vii) लोकजीवन का चित्रण ;
(viii) निष्कर्ष ;

Q. संत कवि कबीरदास की रचनाओं और प्रवृत्तियों का विवेचन करें ?
(1) कबीर का जीवन परिचय
(11) कबीर की रचनाएँ
(3) कबीर का दार्शनिक विचारधारा ;
(1) निर्गुण ईश्वर
(ii) शास्त्रीय ज्ञान को चुनौती
(iii) कबीर का रहस्य
(iv) हठयोग की साधना
(4.) कबीर की भक्तिभावना
(1) नाम स्वरूप की महिमा
(11) गुरु की महिमा
(iii) प्रेम तत्व
(5.) कबीर के समाज सुधारक रूप :-
(1) धार्मिक ब्राह्माचार का खण्डन
(ii) जातिप्रथा का विरोध
(iii) हिन्दु - मुस्लिम समन्वय
(iv) नारी सम्बन्धी दृष्टिकोण :
कबीरदास के काव्य का शिल्पपक्ष
(1) निष्कर्ष :

बलराम कुमार